B. A. Part-1
Economics Honours
Paper - I
Micro Economics

Topic :- उपयोगिता की माप
(Measurement of Utility)

उपयोगिता की माप को लेकर अर्थशास्त्रीयों में काफी मतभेद है। पैरेटो (Pareto), प्रो० हिक्स (J. R. Hicks) ऐलेन (R. D. G. Allen) जैसे अर्थशास्त्रियों का विचार है कि उपयोगिता की माप नहीं की जा सकती। उनके अनुसार चूँकि उपयोगिता व्यक्ति की मनोवृत्ति पर निर्भर करती है, अतः यह एक व्यक्तिगत (Subjective) एवं अमूर्त (Abstract) विचार है। उपयोगिता का कोई ठोस और मूर्त रूप नहीं होता, अतः इसकी माप नहीं की सकती। Hicks तथा Allen के अनुसार विभिन्न उपयोगिताओं में तुलना की जा सकती है। उदाहरण के लिए परिस्थिति अनुसार हम कह सकते है कि पेंसिल की अपेक्षा हमें कलम से अधिक उपयोगिता मिलती है परन्तु यह उपयोगिता कितनी है इसका पता नहीं लगाया जा सकता। दूसरे शब्दों में उपयोगिता की माप नहीं कि जा सकती है।

Scanned by TapScanner

दूसरी ओर प्रो० मार्शल (Prof. Marshall) का कहना है या विचार है कि उपयोगिता की माप की जा सकती है उनके अनुसार उपयोगिता (Utility) की माप की जा सकती है और यह माप परोक्ष तरीके से मुद्रा के रूप में (in terms of money) की जा सकती है। Prof. Marshall का विचार है कि वस्तु की माँग-मूल्य (Demand Price) को उस वस्तु की उपयोगिता का काम चलाऊ माप माना जा सकता है। अर्थात मुद्रा उपयोगिता को मापने में सक्षम है तथा वस्तु की माँग मूल्य के रूप में मुद्रा द्वारा किसी भी वस्तु की उपयोगिता का माप संगत है। इस प्रकार मुद्रा उपयोगिता (Utility) के माप के से सम्बन्धित दो विचारधाराएँ है। पहली विचारधारा मार्शल तथा उनके अनुयायियों के है जिनके अनुसार उपयोगिता मापी जा सकती है। अतः इन्हे गणनावाचक अर्थशास्त्री (Cardinalist) तथा इनकी विचारधारा को Cardinal Concept कहा जाता है। और इसके अनुसार उपयोगिता को गणनावाचक उपयोगिता (Cardinal Utility) माना जाता है।

Scanned by TapScanner

दूसरी विचारधारा Hick एवं ऐलेन (Allen) जैसे आधुनिक अर्थशास्त्रीयों की है जिनके अनुसार उपयोगिता (Utility) मापी नहीं जा सकती, वरन विभिन्न उपयोगिताओ में तुलना (Comparison) की जा सकती है। अतः इन्हे क्रमवाचक अर्थशास्त्री (Ordinalist) तथा इनकी विचारधारा को Ordinal Concept कहा जाता है।

इस प्रकार उपयोगिता की माप (Utility) मुख्यतः दो प्रकार की होती है –

(1) गणनावाचक उपयोगिता (Cardinal Utility),

(2) क्रमवाचक उपयोगिता (Ordinal Utility).

Munmun Choudhary
Asst. Prof.
Department of Economics
A. S. College
Bikramganj

Scanned by TapScanner